परमेश्वर ने मूसा और यहोशू को आनन्दमय सत्य प्रगट किये

प्रार्थना: ''सर्वशक्तिमान अनन्त पिता बच्चों को सहायता करें कि वे आपके पवित्रता और राजस्व की प्रशंसा कर सकें''।

उन गतिविधियों का चयन करें जो आवश्यकता में सही हों, समय जो उनकी तैयारी में लगाना है, और जो बच्चों के परिपक्वता के स्तर पर हो।

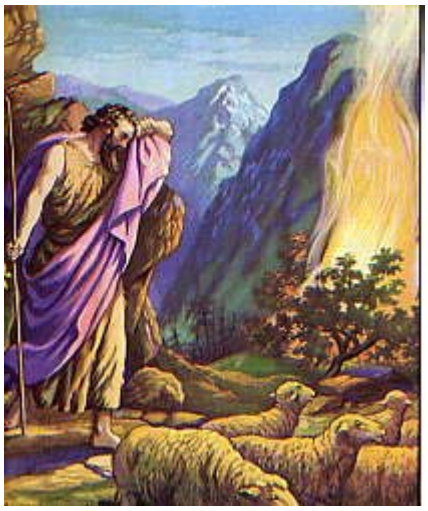

एक बड़ा बच्चा या शिक्षक निर्गमन 3:1-15 पढ़े कि कैसे परमेश्वर ने मूसा से जलती झाड़ी में से बातें की। तब, नीचे दिये गये प्रश्न बच्चों को दे, कि बड़ों से आराधना के समय पूछें। हर बच्चे को अपने प्रश्न का उत्तर आना चाहिये। *(उत्तर हर प्रश्न के पीछे दिया गया है)*

- उस झाड़ी के विषय अद्‌भुत बात क्या थी? *(वह जलती तो थी पर भस्म नहीं होती थी)*
- मूसा ने झाड़ी में से क्या सुना? *(उसका नाम पुकारा गया)*
- मूसा को किसने नाम से पुकारा? [परमेश्वर ने *(अब्राहम, इसहाक, याकूब का परमेश्वर)]*
- मूसा ने क्यों जूती उतारी? *[वह पवित्र भूमि पर खड़ा था]*
- परमेश्वर ने मूसा से क्या करने को कहा? *[कि राजा फिरोन के पास जा और परमेश्वर के लोगों को मिस्त्र से ले आ]*
- परमेश्वर ने अपना नाम क्या बताया? *[मैं हूँ]*

बड़े बच्चे या शिक्षक को **यहोशू 3:14-4:7** पढ़ने दें या यर्दन नदी पार करना बतायें। पाठ ये बताता है कि लोगों ने स्मरण किया कि कैसे बड़ें कार्य परमेश्वर ने उनके लिये किया!

कहानी बताने के बाद, में प्रश्न पूछिये *[उत्तर हर प्रश्न के पीछे दिये हुए हैं]*

- कौन से इस्राएली पहले यर्दन नदी में गये? *[पढ़ें यहोशू 3:14]*
- जब याजकों ने जो वाचा का सन्दूक लिये हुए थे कदम नदी में रखा तब क्या हुआ? *[3:15]*
- बाहर अगुवों ने नदी में बीच से क्या लिया? *[4:3]*
- पत्थरों का क्या अभिप्राय था? *[4:6]*
- नदी के पत्थरों को अगुवों ने कहाँ रखा? *[4:8]*

यर्दन नदी के पार करने की कहानी को नाटक रूप दें। बड़ों को अराधना के अगुवे के साथ बच्चों को यह नाटक प्रस्तुत करने का प्रबन्ध करें। इसको तैयारी के लिये बड़े बच्चे छोटों की सहायता करें।

- बड़े बच्चे या वयस्क यहोशू और प्रवक्ता की भूमिका करें।
- छोटे बच्चे इस्राएलियों, अगुवों और याजक जो कुछ लिये चले जो वाचा के सन्दूक का रूप है-इनकी भूमिका करें।

प्रवक्ता: यहोशू 3:14-17 से कहानी का प्रथम हिस्सा बताता है। तब कहता है ''सुनो कि यहोशू क्या कहता है''।

यहोशू: ''हम यर्दन नदी पार करने वाले हैं। ये बह रही है पर परमेश्वर हमें सूखी भूमि पर से पार करायेगा। देखो वह क्या करता है। याजक वाचा के सन्दूक को लेते हैं और नदी के पानी मे कदम रखते हैं''।

याजक: वाचा का सन्दूक उठाकर चलते हैं और नदी में आधे पर रूक जाते हैं' एक कहता है ''देखो! नदी एक तरफ जमा हो रही है, हमसे दूर हो रही है''।

इस्राएली: पूरी ''नदी'' पार करते हैं और याजकों से भी आगे जाते हैं। एक कहता है ''देखो! हमारे पाँव तो सूखे हैं। हम सूखी भूमी पर चले!''

प्रवक्ता: यहोशूग 4:1-7 से कहानी का दूसरा भाग बताता है। तब कहता है, ''सुनो यहोशू क्या कहता है''

यहोशू: पार कर जहाँ इस्राएली हैं कहता है ''हमने नदी पार कर ली हैं! हर गोत्र का एक अगुवा नदी के बीच से एक एक पत्थर उठाये कि वह हमारे बाल बच्चों के लिये एक यादगार रहे कि परमेश्वर ने आज हमारे लिये क्या किया है''।

अगुवे: जहाँ याजक खड़े हैं वहाँ जाते हैं। ऐसा मानो एक बड़ा पत्थर उठाते हैं और जहाँ यहोशू है ले जाते हैं। एक कहता है, ''ये पत्थर भारी हैं- यह एक अन्धी यादगार बनायेगा''।

यहोशू: "हमारे बच्चे पूछेंगे कि इन पत्थरों के ढेर का क्या मतलब है?, हम उन्हें इस दिन के विषय' बतायेंगे। हम परमेश्वर के महान कार्यों को स्मरण करेंगे।''

प्रवक्ता: जिन्होंने सहायता की उनको धन्यवाद देता है।

यदि बच्चे बड़ों के लिये नाटक प्रस्तुत करते हैं तो करने दें और बड़ो से प्रश्न भी पूछने दें।

छोटे बच्चों को पत्थरों के ढेर की तस्वीर बनाने दें। वे अगली आराधना के समय इन तस्वीरों को बड़ों को दिखा सकते है और बतायें कि ये प्रगट करता है कि हम गीतों, कहानियों और दूसरी चीज़ों को याद करने के लिये इस्तेमाल करते हैं कि परमेश्वर ने हमारे लिये क्या किया है।

पूछें कि पत्थरों के ढेर एक यादगार के अलावा दूसरे तरीकों से क्या हम मसीही लोग परमेश्वर के कार्यों को स्मरण कर सकते हैं। लोगों को उदाहरण पर बातचीत करने दें।

कविता: हर चार बच्चे भजन 145:4-7 का एक आयत दूसरे बच्चों के लिये बोलें, और आराधना के बच्चे बड़ों के लिये बोले।

छोटे बच्चों को फिलिप्पियों 4:4 कंठस्थ करायें।

बड़े बच्चों को व्यवस्था विवरणा 8:3 कंठस्थ करायें

बड़े बच्चों को उन महान चीज़ों के विषय मे जो परमेश्वर ने किया है कि हम स्मरण रखें उस पर उन्हें गीत या कविता लिखने दें।

प्रार्थना: ''प्रिय पिता, आपने हमारे लिये बहुत सी अद्‌भुत बातें की हैं। उन्हें स्मरण रखने और उनके लिए सर्वदा आपकी प्रशंसा करने के लिये सहायता कर। दूसरों को उनके विषय बताने में सहायता कर। हमें व्यवहारिक तरीके बता कि आपकी भलाई को स्मरण करने में उनकी सहायता कर सकें''।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net